**धारा 116 (3) द. प्र. सं. के अधीन आवेदनपत्र**

न्यायालय .............. के मामले में ............

वाद सं..........................सन ..............................

क ख ........... ........... ........... ........... ........... ........... ........... ........... परिवादी

बनाम

ग घ ........... ........... ........... ........... ........... ........... ........... ........... विरोधी पक्षकार अन्तर्गत

धारा 107, द. प्र. सं.

थाना ........... ...........

**अति सादर पूर्वक प्रदर्शित करता है –**

1. यह कि याची ने विरोधी पक्षकार के विरुद्ध धारा 107, द. प्र. सं. के अधीन एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है और कार्यवाही माननीय न्यायालय के समक्ष लम्बित है।
2. यह कि कार्यवाही की प्रस्तुतीकरण में विरोधी पक्षकार ने या तो व्यक्तिगत तौर पर या सामूहिक तौर पर एक से अधिक रुपों में याची एवम् उसके कुटुम्ब घोर परिणाम के लिए आतंकित करने के लिए आवेदक को धमकी दे रहा है।
3. यह कि जब परिवादी पक्षकार का संरक्षण किया जाता है तब विरोधी पक्षकार इस माननीय न्यायालय के समक्ष कार्यवाही के लम्बित रहने के दौरान भी लोग शान्ति एवम् प्रशान्ति को खतरा कारित करने वाला हिंसक कार्य किसी भी क्षण कारित कर सकेगा।
4. अतएव यह प्रार्थना की जाती है कि अंतरिम रक्षोपाय धारा 116 (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता के विरुद्ध किया जाए और वर्तमान कार्यवाही /जाँच के निष्कर्ष तक शान्ति कायम रखने के लिए बन्धपत्रों को निष्पादित करने के लिए अपेक्षा को प्रवृत्त करे और ऐसे बन्धपत्र का निष्पादित कर दिया जाने तक विरोधी पक्षकार को निरुद्ध करे।

तारीख : आवेदक जरिये अधिवक्ता

स्थान :